समय : २ घंटे | पूर्णांक : ५०

प्र.१ निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए - (१४)

अ. "किसे दिखलाती प्रेम निकेत
चपल ठहरो कुछ लो विश्राम
चल चुकी हो पथ शून्य अनंत
सुमन मंदिर के खोलो द्वार
जगे फिर सोया वहां बसंत"

अथवा

"अपनी जगह से गिरकर
कहीं के नहीं रहते
केश औरतें और नाखून
अन्वय करते थे संस्कृत टीचर"

आ. "रानी बोली पागल को जरा बुला दो
मै पागल हूँ राजा तुम मुझे भुला दो
मै बहुत दिनों से जाग रही हूँ राजा
बंसी बजाकर मुझको जरा सुला दो "

अथवा

"और जब वह लौटते हैं
मनाकर जश्न
वह हमारी तरफ
ऐसे देखते हैं
जैसे हम लौटे हों
किसी को दफ़नाकर "

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (२०)

क. कवि भवानी प्रसाद मिश्र के 'सुबह हो गयी है ' कविता का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'गांधी पंचशती' कविता को सौदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ख. 'मैं मरने से नहीं ड़रता' कविता के जीवन दर्शन पर प्रकाश ड़ालिए ।

अथवा

'ताज' कविता के सौंदर्यदृष्टि पर पंत के विचारों को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ३ निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :- (१०)

च. 'मैं तुम लोगों से दूर हूँ ' कविता का उद्देश्य ।

अथवा

'शोकगीत ' कविता का भावार्थ।

छ. 'बुनी हुई रस्सी' कविता का भावार्थ ।

अथवा

'एक मां' कविता का जीवन दर्शन ।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए : (६)

य. कवि भवानीप्रसाद मिश्र का जन्म कब हुआ ?

र. 'भवानीप्रसाद मिश्र' पुस्तक किसने संपादित की ?

ल. भवानीप्रसाद मिश्र की मृत्यु कब हुई ?

व. छायावाद के 'ब्रह्मा' किसे कहा जाता है ?

श. 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना कब हुई ?

स. प्रयोगवाद का पहला ग्रंथ कौन-सा है ?

*****